हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 123 | जौनपुर, सोमवार 29 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

नीतीश कुमार 9वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने

बीजेपी के सम्राट चौधरी-विजय सिन्हा ने भी शपथ ली, राजभवन में लगे मोदी-मोदी के नारे

एजेन्सी

पटना नीतीश कुमार ने 9वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, नेता प्रतिपक्ष रहे विजय सिन्हा और विजय चौधरी ने शपथ ली। इससे पहले नीतीश ने 11 बजे राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को इस्तीफा सौंपा था। इसके बाद वे 128 विधायकों का समर्थन पत्र लेकर राज्यपाल के पास पहुंचे थे। नीतीश के पास भाजपा के 78, जेडीयू के 45, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम) के चार और एक निर्दलीय विधायक का समर्थन है। इस्तीफे के 6 घंटे बाद नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सीएम समेत 9 लोग शपथ ले

रहे हैं। भाजपा की तरफ से दो डिप्टी सीएम समेत 3 मंत्री बनाए गए हैं। जेडीयू के खाते में मुख्यमंत्री और 3 मंत्री आए हैं। हम के एक एमएलए और निर्दलीय विधायक को भी मंत्री पद मिला है।नीतीश ने इस्तीफा देने के बाद मीडिया से कहा जो सरकार थी, उसको समाप्त करने का हमने गवर्नर साहब को बोल दिया। चारों तरफ से राय आ रही थी। इसी को हमने सुन लिया। अब पहले के गठबंधन को छोड़कर नया गठबंधन बनाए हैं। आज हम लोग उनसे अलग हो गए। जितना काम हम कर रहे थे, वो कुछ काम ही नहीं कर रहे थे। लोगों को तकलीफ थी, हमने बोलना छोड़ दिया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने के करीब दो घंटे के अंदर ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और उसके सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। नीतीश कुमार भाजपा विधानमंडल दल के नेता सम्राट चौधरी और विधानसभा में विधायक दल के नेता विजय सिन्हा, जो नई सरकार में उपमुख्यमंत्री की जिम्मेवारी संभालेंगे, के साथ राजभवन जाकर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश करते हुए समर्थन का पत्र सौंपा। उनके साथ भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतनराम मांझी और निर्दलीय विधायक सुमित कुमार सिंह भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनने वाली नई सरकार का शाम पांच बजे राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह होना तय हो गया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, नई सरकार में मंत्रियों के नाम और उन्हें मिलने वाले विभाग भी तय हो गए हैं। पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गृह विभाग की जिम्मेवारी छोड़ने को राजी हो गए हैं। इस बार गृह विभाग की जिम्मेवारी भाजपा के मंत्री को दी जाएगी।

बिहार में हुए राजनीतिक उठा पटक के बाद तेजस्वी का आया बयान, कहा- खेला अभी बाकी है

एजेन्सी

पटना। बिहार में रविवार को हुई राजनीतिक उथल–पुथल पर अब राजद नेता और पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का भी बयान आ गया है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार पहले भी आदरणीय थे और आज भी आदरणीय है। उन्होंने कहा कि उनके 45 विधायक है, ऐसे में हम क्रेडिट क्यों नहीं लेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि यही नीतीश कुमार पहले कहा करते थे कि नौकरी देना संभव नहीं है। हम ही राज्य में स्पोर्ट्स पॉलिसी लेकर आए और 70 दिन के अंदर ही 2 लाख से अधिक नौकरियां युवाओं को दी। महज 17 महीने की सरकार में ही जेडीयू और नीतीश कुमार से राज्य में बहुत काम करवाया मगर यह एक थके हुए मुख्यमंत्री है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी खेल शुरू हुआ है। खेल अभी बाकी है। 2024 में जदयू खत्म हो जाएगी। राजद ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार, चिकित्सा में, रोजगार, पॉलिसी लाना जैसे कई काम किए है।

राजद ही थी जिसने रात में घूम घूम कर काम किया है। भले ही आज नीतीश कुमार और जदयू के लोग शपथ लें मगर यह कुर्सी पर कितने दिन काबिज रहेंगे यह कोई नहीं कह सकता। तेजस्वी यादव ने कहा कि डिप्टी सीएम रहते हुए मैंने और राजद के मंत्रियों ने बहुत काम किया है। कैबिनेट में लाख नौकरियां की फाइल को रोका गया है। हमारी सरकार नहीं ईमानदारी से काम किया है लेकिन अभी खेला बाकी है। भाजपा नेताओं के बयान पर तेजस्वी यादव ने कहा कि दूसरों की टिप्पणी पर क्या ही कहा जाए। इसका जवाब जनता देगी। मंच से नीतीश कुमार हमारे साथ काम गिनवाते थे।

अयोध्या में राम आए, बिहार में पलटूराम, पाला बदलने पर नीतीश कुमार पर जमकर बरसे संजय राउत

एजेन्सी

मुंबई जनता दल–यूनाइटेड (जद–यू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने रविवार को एक बार फिर से पाला बदल लिया है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्हें 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) और 'महागठबंधन में "स्थिति ठीक नहीं लग रही थी। ऐसे में उन्होंने भाजपा के साथ नया गठबंधन और नई सरकार बनाने का फैसला लिया है। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद उनके पूर्व सहयोगी तिलमिलाए हुए हैं और हमलावर हैं। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि अयोध्या में राम आए, बिहार में पलटूराम। संजय राउत ने कहा, नीतीश कुमार के हमसे दूर जाने से बिहार की राजनीति पर कोई फर्क पड़ेगा, मुझे ऐसा नहीं लगता। कांग्रेस, तेजस्वी यादव और अन्य छोटे दलों का साथ है। आम आदमी पार्टी की बात करें तो दिल्ली में कांग्रेस उसके बीच सहमति

बन चुकी है। जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। राउत ने कहा, इंडिया ब्लॉक की स्थिति उत्तम है। ममता बनर्जी अभी बाहर नहीं हुई हैं। नीतीश कुमार का यह खेल चलता रहता है। उनका मानसिक स्वास्थ ठीक नहीं है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में (जद यू) और उसके शीर्ष नेतृत्व पर 'महागठबंधन से अलग होने और राज्य में नई सरकार के गठन के लिए बीजेपी में फिर से शामिल होने पर निशाना साधा और कहा कि इसका अंदेश पहले ही था। खरगे ने साथ ही कहा कि देश में ऐसे कई लोग हैं जो "आया राम गया राम हैं। खरगे ने कहा कि उन्हें पांच दिन पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने जद (यू) के महागठबंधन से बाहर निकलने की योजना के बारे में जानकारी दी थी और तमाम प्रयास किए गए लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी अलग हो गई। खरगे ने कहा, "राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने पांच दिन पहले इसके संकेत दिए थे और मैंने उनसे स्थिति के बारे में विस्तार से बातचीत की थी कि संख्या क्या है, उनकी संख्या कितनी है और क्या करना है। यादव ने मुझे कहा कि अगर वे (जद यू) जा रहे हैं तो उन्हें जाने दीजिए....। उन्होंने कहा कि इसके बारे में जानने के बावजूद वह इसका खुलासा नहीं करना चाहते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को रविवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया। अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल ने कुमार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नयी सरकार के गठन तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है।

हंगामे और शोर शराबे में नष्ट होता है विधायिका का बहुत समय–महाना

आलोचना का विपक्ष का अधिकार लेकिन सदन मे व्यवधान शोभाजनक नही

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सरकारी कामकाज और नीतियों की आलोचना करने का विपक्ष को पूर्ण अधिकार है लेकिन सदन में औपचारिक अवसरों पर व्यवधान न तो विपक्ष के लिए शोभाजनक माना गया है और न ही इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत बनती है। विधायिका के सम्मान को नष्ट करने की दिशा में किया गया हमारा कोई भी कार्य लोकतंत्र पर घातक प्रहार है।यह बातें उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने मुंबई में आयोजित 84 में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में ष्एजेंडे के बिंदुओं पर चर्चाष पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कही। श्री महाना ने कहा कि सदस्यों को सदन में अपनी बात कहने के लिए नियम और निर्धारित कार्य विधि के अंतर्गत व्यवहार करना चाहिए। नियमों में सदस्यों के लिए अनेक प्रावधान है जिनके अंतर्गत वह अपनी बातों को प्रभावी ढंग से उठा सकते हैं। सदस्यों के समक्ष यह चुनौती होती है कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं तथा ज्वलंत मुद्दों को सदन में इस प्रकार से उठाएं कि उनका निस्तारण शीघ्र हो। विधायिका के प्रति विश्वास तथा गरिमा में वृद्धि होती रहे। एक प्रभावशाली जनप्रतिनिधि होने के लिए विधानसभा सदस्य को अपने शिष्ट सदाचारी तथा सहनशील व्यवहार के साथ दूसरों को समझने एवं सुनने की भी क्षमता रखनी चाहिए। सदस्यों का नैतिक दायित्व है कि वह संसदीय संस्कृति को बनाए रखने में सहयोग करें। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सदस्यों द्वारा आरोप प्रत्यारोप शोर शराबा, धरना, बहिर्गमन, विधायिका के आंतरिक अनिवार्य दृश्य बन गए हैं । यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं और सामान्य शिष्टाचार के विपरीत है। राज्यपाल के अभिभाषण के अलावा भी सदन में अनावश्यक व्यवधानों से विधायिका का बहुत सारा समय हंगामें और शोर शराबे में नष्ट हो जाता है। एक अन्य सत्र ष्समिति प्रणाली को अधिक उद्देश्यपूर्ण और प्रभावी कैसे बनाया जाएष में श्री महाना ने कहा कि विधानसभा अपने कार्य का एक बड़ा हिस्सा समितियों के माध्यम से संपन्न करती है। यह संसदीय समितियां बहुत लाभदायक होती हैं। इससे सदन का समय बचता है जो अन्य मामलों पर चर्चा में लग सकता है। विधानसभा की समितियां यदि कारगर ढंग से कार्य करें तो राज्य सरकार के विभागों को सही मार्ग दर्शन देने में सहायक सिद्ध हो सकती हैं। इससे जनता के प्रति समिति की छवि मजबूत होगी बल्कि सदन का मान भी बढ़ेगा।कार्यक्रम को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा केउपसभापति हरिवंश, महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर तथा उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संबोधित किया। महाराष्ट्र विधानपरिषद की उपसभापति डा. नीलम गोरहे ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कमरे के बाहर ताला, अंदर जिंदा जल गए पति-पत्नी, 3 बच्चे

एजेन्सी

बरेली बरेली में रविवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मरने वालों में पति–पत्नी और 3 बच्चे हैं। सुबह धुआं उठता देखा तो आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर बिग्रेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम अंदर पहुंची, तो वहां सभी की मौत हो चुकी थी। पुलिस को आशंका है कि शॉर्ट सर्किट या किन्हीं अन्य कारण से घर में आग लग गई। परिवार सो रहा था ऐसे में शायद उन्हें जब तक पता चला तब तक आग बढ़ चुकी थी और वह बाहर नहीं निकल पाए। एक और आशंका यह भी है कि कमरे में धुआं भरने के चलते सभी की मौत हो गई। हालांकि, पुलिस अन्य एंगल पर भी जांच कर रही है। डीएम रविंद्र कुमार ने कहा, जिला प्रशासन की ओर से मृतक के परिवार वालों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही अंतिम संस्कार का खर्च भी प्रशासन उठाएगा। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में अजय गुप्ता, उनकी पत्नी अनिता और 3 बच्चे–दिव्यांश (9), दिव्यांग्या (6) और छोटा बेटा दक्ष (3) हैं। रात में पूरा परिवार कमरे में सोया हुआ था। कमरे में हीटर चलने की बात भी

सामने आ रही है। सुबह पड़ोस के रहने वाले युवक ने देखा, तो दरवाजा बंद था। घर से धुआं उठ रहा था। इसके बाद उसने आस–पास के लोगों को इसके बारे में बताया। देखते ही देखते आस–पास के लोगों को भीड़ जुट गई। फिर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला गया। पड़ोसी का कहना है कि रात में ही अजय गुप्ता मिले थे। रात में खाना खाकर परिवार सो गया था। हम लोगों को आग लगने की भनक तक नहीं मिली। न ही किसी के चीखने–चिल्लाने की आवाज आई। सुबह उठा, तो देखा अजय के घर के बाहर लोगों की भीड़ लगी हुई। लोगों से पूछा तो उन्होंने बताया कि आग लगने की सभी की मौत हो गई है। फोरेंसिक टीम की जांच में सामने आया है कि अजय गुप्ता के मकान में 2 कमरे हैं। जिस कमरे में परिवार सोया हुआ था। उस कमरे में दो लोहे के हीटर बिजली के बोर्ड में लगे हुए मिले हैं। कमरे का लकड़ी का दरवाजा है। उसमें अंदर कुंडी नहीं थी। रात में परिवार अंदर से हाथ डालकर बाहर से कुंडी लगा देता था। पड़ोस में रहने वाले राजेश ने पुलिस को बताया कि अजय से हमने कई बार कहा था, जिस कमरे में सोते हो, उसमें अंदर से कुंडी लगवा लो। फोरेंसिक टीम हीटर में शॉर्ट सर्किट से ही कमरे में आग लगना मान रही है। वजह है कि एक हीटर का वायर जला हुआ था।

दमोह में हुआ दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो लोगों की मौके पर हुई मौत..

एजेन्सी

दमोह मध्य प्रदेश के दमोह जिले में तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां पर एक तेज रफ्तार कार अचानक पेड़ से टकरा गई। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। यह पूरी घटना देर रात को हुई रात भर कार में मौजूद युवक हादसे के बाद कार में ही फंसे रहे। एक बस चालक ने जब क्षतिग्रस्त कार को देखा तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। बस चालक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और दुर्घटनाग्रस्त वाहन से रेस्क्यू कर फंसे हुए युवकों को बाहर निकाला जिनकी मौत हो चुकी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार वरुण अपने एक साथी के साथ किसी काम से जा रहा था। वह जबलपुर मार्ग पर बम्होरी के पास पहुंचा ही था कि तभी उसकी कार अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पेड़ पूरी तरह से टूट गया और कार भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। देर रात होने के चलते हादसे का किसी को पता नहीं चला सुबह जब एक बस चालक निकला तो उसने इस पूरे मामले की पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई पुलिस अभी इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी, सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद नीतीश कुमार पर भड़की कांग्रेस

एजेन्सी

नयी दिल्ली नीतीश कुमार के रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस ने उनकी तुलना "गिरगिट से की और कहा कि राज्य के लोग इस "विश्वासघात के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को रविवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया। वह राज्य में 'महागठबंधन से अलग हो गए। कुमार के इस कदम से 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंसश (इंडिया) को भी बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नीतीश कुमार के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह साफ है कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा से ध्यान भटकाने के लिए यह "राजनीतिक नाटक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही बिहार में प्रवेश करने वाली राहुल गांधी की यात्रा से "घबराए हुए हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, "बार–बार राजनीतिक साझेदार बदलने वाले नीतीश कुमार रंग बदलने में गिरगिटों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता "विश्वासघात महारथी और उन्हें इशारों पर नचाने वालों को माफ नहीं करेगी। रमेश ने कहा, "बिलकुल साफ है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रधानमंत्री और भाजपा घबराए हुए हैं और उससे ध्यान हटाने के लिए यह राजनीतिक नाटक रचा गया है। राज्यपाल ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नयी सरकार के गठन तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से शाम तक नयी सरकार के गठन की संभावना है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधा, गणतंत्र दिवस परेड में नारी शक्तिदिखी : मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 109वां एपिसोड पर देश को संबोधित कर रहे हैं। ये साल 2024 का पहला मन की बात कार्यक्रम है। संबोधन की शुरुआत पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस पर बात की।इसके अलावा पीएम ने 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा पर भी बात की।

पीएम ने कहा कि दो दिन पहले हम सभी देशवासियों ने 75वां गणतंत्र दिवस बहुत धूमधाम से मनाया है। इस साल हमारे संविधान के भी 75 वर्ष हो रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के भी 75 वर्ष हो रहे हैं। हमारे लोकतंत्र के ये पर्व, लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं। राममला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पीएम ने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है। सबकी भावना एक, सबकी भक्ति एक, सबकी बातों में राम, सबके हृदय में राम हैं। 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने रामज्योति जलाई, दिवाली मनाई। पीएम ने फर्स्ट टाइम वोटर्स से अनुरोध किया कि वोटर लिस्ट में अपना नाम जरूर लिखवाएं। इसके साथ ही पंजाब केसरी लाला लाजपत राय और फील्ड मार्शल केएम. करियप्पा की जयंती पर दोनों को श्रद्धांजलि दी। पीएम ने कहा कि इस बार 26 जनवरी की परेड अद्भुत रही, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा परेड में नारी शक्ति की हुई। जब कर्त्तव्य पथ पर, केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की महिला टुकड़ियों ने कदमताल शुरू किया तो सभी गर्व से भर उठे। दरअसल, देश का 75वां गणतंत्र दिवस इस बार कई मायनों में खास रहा। इस साल कर्तव्य पथ पर परेड और झांकियों में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा दिखी। 100 महिलाओं ने शंख, नगाड़ा और अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाकर इसका आगाज किया। ये गणतंत्र दिवस के इतिहास में पहली बार हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि इस बार अर्जुन अवॉर्ड समारोह में भी जिस एक बात ने लोगों का खूब ध्यान खींचा, वो थी अर्जुन पुरस्कार पाने वाली बेटियां और उनकी जिंदगी की कहानी। इस बार 13 महिला खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इन महिला खिलाड़ियों ने कई बड़े टूर्नामेंट्स में हिस्सा लिया और भारत का परचम लहराया। शारीरिक चुनौतियां, आर्थिक चुनौतियां, इन साहसी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के आगे टिक नहीं पाईं। पीएम ने कहा कि एक और क्षेत्र है जहां महिलाओं ने अपना परचम लहराया है, वो है– सेल्फ हेल्प ग्रुप्स। आज महिला स्वयंसेवी समूहों की देश में संख्या भी बढ़ी है और उनके काम करने के दायरे का भी बहुत विस्तार हुआ है। वो दिन दूर नहीं, जब आपको गांव–गांव में खेतों में, नमो ड्रोन दीदियां, ड्रोन के माध्यम से खेती में मदद करती हुई दिखाई देंगी। पीएम ने कहा कि पद्म सम्मान पाने वालों में हर किसी का योगदान देशवासियों को प्रेरित करने वाला है। इस बार सम्मान पाने वालों में बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य, थिएटर और भजन की दुनिया में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। प्राकृत, मालवी और लम्बाडी भाषा में बहुत ही शानदार काम करने वालों को भी ये सम्मान दिया गया है। विदेश के भी कई लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है जिनके कार्यों से भारतीय संस्कृति और विरासत को नई ऊंचाई मिल रही है । इनमें फ्रांस, ताईवान, मेक्सिको और बांग्लादेश के नागरिक भी शामिल हैं। पीएम ने बताया कि मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा से जुड़े डेटा और शब्दावली का वर्गीकरण किया है।

सम्पादकीय

'चाचा पलटू' नीतीश कुमार

आदित्य नारायण

बिहार के मुख्यमन्त्री नीतीश कुमार वर्तमान दौर की राजनीति के ऐसे सत्ता लोलुप 'पलटू चाचा' के नाम से प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ माने जायेंगे जिनके नाम को इतिहासकार उन धोखेबाज सियासतदानों की पंक्ति में रखना पसन्द करेंगे जिन्होंने प्रजातन्त्र में अपने सुख के आगे लोगों के हितों की कुर्बानी देकर समूची प्रणाली को प्रदूषित किया। बिहार के मतदाताओं को राजनीतिक रूप से सबसे सजग समझा जाता है अतः 2024 के लोकसभा चुनाव ही तय करेंगे कि नीतीश बाबू किस व्यवहार के पात्र बनते हैं। मगर नीतीश बाबू ने समय पर जो छाप छोड़ी है वह उन्हें 'मीर जाफरों' की कतार में भी खड़ा कर सकती है क्योंकि वह मुख्यमन्त्री बने रहने के लिए अपनी जीवन भर की अर्जित प्रतिष्ठा को भी दांव पर लगाने के लिए तुले हुए दिखाई पड़ते हैं। ऐसा नहीं है कि एक सफल राजनीतिज्ञ कहलाये जाने की वजह से उन्होंने इन सभी प्रश्नों पर सोचा नहीं होगा परन्तु उनका अपनी राह से पलटना बताता है कि राजनीति उनके लिए एक 'तिजारत' से ज्यादा कुछ नहीं है। बिहार की राजनीति पिछले दो दशकों से उनके इर्द–गिर्द घूम रही है और हर बार उन्होंने सिद्ध किया है कि उनके समाजवादी राजनैतिक सिद्धान्त बाजार की जरूरतों के मोहताज हैं। इससे यही सिद्ध होता है कि उनकी 'सैद्धान्तिक कमर' बहुत कमजोर और लचीली है। 2015 में लालू जी की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के साथ अपनी पार्टी जनता दल(यू) का गठबन्धन करके भारी बहुमत से चुनाव जीतने वाले नीतीश बाबू को जब बिहार की बागडोर लालू जी ने निःसंकोच होकर सौंपी थी तो उसमें राजनैतिक विचारधाराओं का वह विश्वास था जिसे समाजवादी चिन्तक डा. राम मनोहर लोहिया खून के रंग से भी गाढ़ा मानते थे। मगर 2017 में उन्होंने लालू जी के परिवार पर भ्रष्टाचार के लगे आरोपों में सुर मिलाते हुए गठबन्धन तोड़ दिया और भाजपा के साथ मिलकर रातों–रात सरकार बना ली जबकि लालू जी 2015 के चुनावों से पहले ही अदालत द्वारा एक मामले में दोषी करार दे दिये गये थे और इस वर्ष के चुनावों में उन्होंने जमानत पर रिहा होने के बाद चुनाव प्रचार किया था। इसके बाद 2020 में विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ गठबन्धन बना कर लड़ा मगर उनकी हैसियत इन चुनावों में भाजपा की पिछलग्गू पार्टी के तौर पर निखर कर आई क्योंकि 243 की विधानसभा में जनता दल (यू) को 45 और भाजपा को 78 सीटें मिलीं। मगर 2022 में उन्होंने भाजपा से सम्बन्ध इस आधार पर तोड़ा कि भाजपा उनकी पार्टी को ही भीतर से कमजोर करके उन्हें राजनीति में अप्रासंगिक बना रही थी। वह फिर लालू जी की शरण में गये और अपना मुख्यमन्त्री पद सलामत रखा। अब वह फिर करवट बदल रहे हैं और लालू जी का साथ छोड़ कर पुनः भाजपा की शरण में जा रहे हैं। भाजपा उन्हें अपने साथ पाकर सिवाये प्रसन्न होने के दूसरा काम नहीं कर सकती क्योंकि नीतीश बाबू को वही डर अब फिर से राष्ट्रीय जनता दल से सता रहा है जो 2022 में भाजपा से सता रहा था कि उनकी पार्टी को भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इसका मतलब यही निकलता है कि वह बिहार के सर्वाधिक असुरक्षित राजनीतिज्ञ हैं। इसकी मूल वजह यह है कि वह राजनीति को केवल तिजारत मानते हुए वक्ती बाजार में बिकने वाला माल मानते हैं और इसके मुताबिक ही पाला बदल लेते हैं और फिर उसे सुशासन या सामाजिक न्याय का चोला पहनाने का प्रयास करते हैं तथा जरूरत आने पर राष्ट्रवादी तेवरों में भी छिप जाते हैं। यह अवसरवादिता से ऊपर खुदगर्जी का बेशर्म नमूना है जिसे नीतीश बाबू ने बिहार में नियम सा बना दिया है। ऐसा तो दल–बदल कानून के रहते बिहार में 1967 के बाद बनी संयुक्त विधायक दलों की सरकारों के दौरान भी नहीं रहा जब केवल कुछ घंटों और दिनों के लिए ही सरकारें बनती–बिगड़ती रहती थीं। उसमें एक नैतिकता यह थी कि दल–बदल करने वाला या पाला बदलने वाला मुख्यमन्त्री दल–बदल की वजह से ही बहुमत खोने पर अपने पद से इस्तीफा दे देता था। उस दौरान हरियाणा में भी यही नजारा था जहां 'आया राम' और 'गया राम' नाम के के दो विधायकों ने राजनीति को कुर्सी दौड़ का खेल बना दिया था। मगर इतिहास ने आया राम व गया राम को कूड़ेदान में डालने का ही काम किया है। जहां तक विपक्षी इंडिया गठबन्धन का सवाल है तो नीतीश बाबू कल तक इसके सिपहसालार बने घूम रहे थे। उनका पल्टी मारना बता रहा है कि उन्होंने राजनीति को बाजार में बिकने वाला बिकाऊ माल बना दिया है। नीतीश बाबू यह समझ रहे हैं कि पिछले 2019 के लोकसभा चुनाव में उनके 17 में से जो 16 प्रत्याशी जीते थे। ये भाजपा के राष्ट्रीय सुरक्षा विमर्श के साये में ही जीते थे वरना उनकी हैसियत तो 2014 में अपने बूते पर जीते केवल दो सांसदों की थी। अब फिर से वह भाजपा के वृक्ष के नीचे छाया तलाशने जा रहे हैं मगर उनकी हालत बिहार की जनता के समक्ष इससे ज्यादा कुछ नहीं रहेगी।

"हुआ है शाह का मुसाहिब फिरे है इतराता वरना शहर में 'गालिब' की आबरू क्या है?"

बजट का बेसब्री से इंतजार

प्रेम शर्मा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी 2024 को संसद में अंतरिम बजट 2022 पेश करेंगी। इस अंतरिम बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बाजार में विकास को बढ़ावा देने वाले कई पहलुओं पर दांव लगा सकती हैं। निवेशकों और बाजार पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि अंतरिम बजट में वित्तमंत्री की ओर से होने वाली घोषणाओं से आगामी वित्त वर्ष के लिए सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में बहुत हद तक जानकारी मिलेगी। हालांकि बाजार के जानकारों का मानना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने छठे बाजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं करेंगी, क्योंकि यह अंतरिम बजट है। आने वाला बजट वोट ऑन अकाउंट होगा, लेकिन ये चुनाव से पहले आ रहा है इसलिए सरकार पूरी कोशिश करेगी कि समाज के ज्यादा से ज्यादा वर्गों तक लाभ पहुंचे. सरकार के चार–पांच चीजों पर ध्यान देने की संभावना है जिसका संकेत प्रधानमंत्री अपने भाषणों में पहले दे चुके हैं. युवा से संबंधित घोषणा की ज्यादा संभावना है, भारत में लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम है, इसलिए युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा या कुछ न कुछ सुनने को मिल सकता है। भारत में लगभग 23 प्रतिशत महिलाएं देश की आर्थिक गतिविधियों में योगदान देती हैं, तो महिलाओं को आगे लाने का कदम उठाया जा सकता है फिर वो आमदनी, महिला रोजगार या किसी अन्य विषय की घोषणा कर सकती है। क्योकि यह बजट केन्द्र सरकार के कार्यकाल को पूरा कर नई शुरूआत वाला बजट होगा इसलिए इसका आम से लेकर खास सभी संवर्ग को बेसब्री से इंतजार है। केंद्रीय बजट 2024 में वित्तीय वर्ष के लिए सरकारी व्यय और अनुमानित प्राप्तियों का विवरण शामिल होगा। बजट आगामी वित्तीय वर्ष के लिए आवंटित किया जाता है, जो 1 अप्रैल से अगले वर्ष 31 मार्च तक चलता है।चूंकि लोकसभा चुनाव आने वाले साल की शुरुआत में होने वाले हैं, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अब कोई बड़ी घोषणा नहीं करेंगी, जबकि वह 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2024 पेश करेंगी। आम चुनावों और नए प्रशासन की यथास्थिति के बाद, पूरा बजट खोजा जा सका। खर्च, राजस्व, वित्तीय घाटा, वित्तीय वर्ष का समग्र प्रदर्शन और आधुनिक प्रबंधन के बाद के वित्तीय वर्ष की अपेक्षाओं के अनुमान आम तौर पर एक विशिष्ट बजट में संरक्षित होते हैं। हालाँकि, इसमें कोई भी अच्छे आकार की नीतिगत घोषणाएँ शामिल नहीं हो सकतीं। बहरहाल चुनाव से पूर्व इस बजट में सात प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का भी जिक्र किया गया है। सतत विकास, वित्तीय क्षेत्र, बुनियादी ढांचा और निवेश, क्षमता को उजागर करना, युवा शक्ति, अंतिम मील तक पहुंच और समावेशी विकास शामिल किया गया है।केंद्रीय बजट को लेकर सभी भारतीय नागरिक उत्साहित हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद है

कि आगामी बजट में उनके लिए लाभकारी योजनाएं, पुरस्कार कार्यक्रम और प्राथमिकताएं शामिल होंगी। अनुमान है कि इस नए केंद्रीय बजट 2024–2025 में 2023 के बजट की तरह ही टैक्स स्लैब 5 हो सकता है। उम्मीद है कि वित्त मंत्री टैक्स सीमा छूट को 3.5 लाख तक बढ़ा सकते हैं। उम्मीद है कि सभी लोगों को इसके लिए रुपये चुकाने होंगे। वे सभी लोग जिन्होंने रु. 3.5 लाख से 6.5 लाख तक के लोगों को वित्तीय वर्ष के लिए अपनी कुल कर योग्य आय का 5 प्रतिशत कर देना होगा। वह व्यक्ति जिसने वित्तीय वर्ष में 7 लाख से 9.5 लाख तक की कमाई करने वालों को उस वित्तीय वर्ष की कुल कर योग्य कमाई पर 10 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता है, और जिन लोगों ने रुपये कमाए हैं। 9.5 लाख से 13 लाख तक 15 प्रतिशत का भुगतान करना होगा, सभी लोगों ने 13 लाख से 20 प्रतिशत का भुगतान करने के लिए 16 लाख रुपये, और 16 लाख और उससे अधिक को वित्तीय वर्ष की कुल आय पर 30 प्रतिशत टैक्स देना होगा। आगामी बजट को लेकर आम लोगों को उम्मीद है कि इस बार उन्हें सरकार की तरफ से थोड़ी राहत दी जाएगी। चूंकि यह बजट चुनावों से पहले आने वाला बजट है ऐसे में सरकार के लिए भी यह बजट काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। चुनावी साल होने के कारण सरकार द्वारा अपने वोट बैंक को भुनाने के लिए आम बजट में लोगों को खुश को लेकर ऐलान किए जाने की उम्मीद की जा रही है। नौकरीपेशा यानी सैलरी क्लास से लेकर, महिलाएं, किसान, टैक्सपेयर्स और युवावर्ग तक के लोग इस बार के बजट में सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब बजट 2024 पेश करेंगी तो उनके लिए कोई खास ऐलान किया जा सकता है। आम बजट 2024 से सबसे ज्यादा देश के टैक्सपेयर्स को उम्मीदें है. टैक्स के बोझ तले दबे लोगों को पिछले कई सालों से टैक्स के मोर्चे पर बदलाव की उम्मीद है। इसके अलावा देश के गरीब वर्ग के लोगों, किसानों को ये उम्मीद है कि उन्हें बजट में महंगाई को मोर्चे पर राहत दी जाएगी।सरकार की ओर से अभी तक कुछ भी साफ नहीं किया गया है कि इसबार के बजट में क्या–क्या ऐलान हो सकता है. हालांकि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले मोदी सरकार के आगामी बजट 2024 में कोई बड़ी घोषणा नहीं होगी. इस बात पर जोर दिया है कि सरकार की नीतियां युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के कल्याण को प्राथमिकता देंगी। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के बारे में काफी फोकस रखा गया है। ऐसे में लोगों की नजर इन सभी वर्गों के लिए होने वाले फैसलों पर रहेगी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अंतरिम बजट में धार्मिक पर्यटन को लेकर होने वाले ऐलानों पर सभी की नजर रहेगी। यही नही दक्षिण भारत के मतदाताओं को लुभाने के लिए अंतरिम बजट में क्या होने वाला है। इस पर लोगों की खास नजर रहेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि निर्मला सीतारमण के छठवें बजट में पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए खाका खींचा जा सकता है। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। आर्थिक जगत अंतरिम बजट से उम्मीद लगाए बैठा है कि इस दिशा में बडी घोषणा की जा सकती है। विपक्ष सरकार पर नौकरियों और महंगाई को लेकर हमेशा हमलावर रहा है। ऐसे में वित्त मंत्री से उम्मीद रहेगी कि वह नई नौकरियों तथा आम जरूरतों को लेकर कोई योजना पेश करें। कई राज्यों द्वारा ओल्ड पेंशन सिस्टम को लागू करने के बाद देश में न्यू पेंशन सिस्टम को लेकर बहस छिड़ गई है। अंतरिम बजट से उम्मीद है कि वह पेंशन सिस्टम को लेकर केन्द्रीय बजट में कोई बड़ी घोषणा की जा सकती है। अंतरिम बजट में महिला किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि दोगुनी होगी या नहीं. इस सवाल का जवाब हर कोई तलाश रहा है। वित्त मंत्री ग्रामीण इलाकों के गरीबों के लिए किसी विशेष योजना का ऐलान कर सकती है। हालांकि चुनावी बजट होने के कारण जनता को सरकार से भारी राहत की उम्मीद है। ऐसे में हर कोई उस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहा है जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2024 पेश करेंगी. इस बार वित्त मंत्री के बजट के पिटारे से क्या–क्या निकलेगा, ये तो बजट पेश होने पर ही पता चल पाएग।

सर्वांगीण शिक्षा, ज्ञान और संघर्ष जीवन में ऊंचाइयां देते हैं

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग–अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है। जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि श्पाप से घृणा करो पापी से नहीं फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना किश ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे। एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

आज का राशी फल

मेष :– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

बृषभः– शासन–सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस–पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीनः– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई

अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

विपक्षी गठबंधन का हवाई किला इतनी जल्दी ढहने की उम्मीद किसी को नहीं थी

इंडी गठबंधन के बारे में राजनीति की समझ रखने वाले अधिकतर व्यक्तियों के अनुमान सही साबित हुए। गठबंधन की पहली बैठक के बाद से ही उसके भविष्य के बारे में जो कुछ कहा जा रहा था, वो शब्दशः धरती पर उतरता दिख रहा है। वास्तव में, इंडी नामक विपक्षी गठबंधन में चूंकि वैचारिक साम्यता नहीं है इसीलिए इसकी एकजुटता प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है। उससे जुड़े दल मोदी विरोध पर तो एकमत हैं किंतु आपसी विश्वास नजर नहीं आने से एक कदम आगे, दो कदम पीछे वाली स्थिति बनी हुई है। एक तरफ तो भाजपा अपनी व्यूह रचना मजबूत करती जा रही है वहीं विपक्षी दलों में सीटों के बंटवारे की गुत्थी उलझती जा रही है। सीट के बंटवारे की वेला समीप आते ही, गठबंधन तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है।

भारतीय राजनीति का इतिहास खंगालें तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनरू बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार–बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद से हर बीतते वर्ष के साथ विपक्ष की राजनीति की कांति लगातार प्रभावहीन हो रही है। मोदी सरकार के नौ वर्षों के कामकाज के बाद विपक्ष ने बड़ा साहस और शक्ति जुटाकर इंडिया गठबंधन का गठन किया था। गठबंधन के बाद विपक्ष ने मीडिया और प्रचार तंत्र के माध्यमों से ऐसा वातावरण और संदेश देने का काम किया था कि इस गठबंधन के सामने भाजपानीत एनडीए गठबंधन टिक नहीं पाएगा। लेकिन गठबंधन की पहली बैठक के समय से ही जिस तरह की चालाकी और व्यवहार गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता एक दूसरे के साथ कर रहे थे, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इस गठबंधन की आयु दीर्घ नहीं होगी। लेकिन इतनी छोटी होगी कि वो चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा, इसकी उम्मीद तो किसी को भी नहीं थी।

विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के लगभग सात माह के दौरान चाय–नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। बिहार से भी जो समाचार आ रहे हैं, उनके मुताबिक नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन का साथ छोड़कर एनडीए का हिस्सा बन सकते हैं। विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने से रोका जाए और तमाम सर्वे कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री

देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ये अहम प्रश्न है?

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने 'इंडिया' का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं 'अंतिम' हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने–अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को 'अवसरवादी नेता' करार देते रहे हैं और बार–बार बयान देते हैं कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है।

ममता 'इंडिया' की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है और वे हरेक बैठक को 'तारपीडो' करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ जहर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की 'न्याय यात्रा' की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में 'न्याय यात्रा' और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच विषैला अलगाव इस सीमा तक पहुंच चुका है। अंततरू ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना 'इंडिया' गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल, तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर 'शून्य' ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के सीटों पर किसी से समझौता नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 13 लोकसभा सीटों के लिए करीब 40 उम्मीदवार शार्ट लिस्ट किए हैं। आम आदमी पार्टी 13 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के लिए सर्वे करवा रही है। कांग्रेस ने साल 2019 में राज्य में आठ लोकसभा सीटें जीती थीं, जबकि आप ने केवल एक सीट जीती थी। वहीं 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आप ने पंजाब में 92 सीटें जीतीं, जबकी 2017 में उसके 20 उम्मीदवार जीते थे। उसका वोट शेयर बढ़कर 42.4 प्रतिशत हो गया था। इसी के साथ कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी थी। कांग्रेस को सिर्फ 18 सीटें मिली थीं।

बिहार में अटकलें तेज हैं कि मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड प्रमुख नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन को छोड़कर एक बार फिर एनडीए में जा सकते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जेडीयू और लोकजनशक्ति पार्टी के साथ गठबंधन करके 54.40 प्रतिशत वोट हासिल कर बिहार की 39 लोकसभा सीट जीती थीं। इस दौरान एनडीए को मिले 54.40 प्रतिशत मत में 22.3 फीसदी वोट नीतीश की पार्टी जेडीयू का था। जबकि महागठबंधन का वोट शेयर 31.40 प्रतिशत था। जेडीयू को 2019 लोकसभा चुनाव में 17 में से 16 सीटों पर जीत मिली थी।

फीनिक्स यूनाइटेड आलमबाग में ग्रैंड इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट और शॉप मोर टू विन मोर ऑफर की धूम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शॉपर्स के लिए खरीदारी के अनुभव को और भी रोमांचक बनाने के लिए, राजधानी का पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन फीनिक्स यूनाइटेड आलमबाग 25 से 31 जनवरी, 2024 तक ग्रैंड इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट का आयोजन कर रहा है। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मॉल ने श्शॉप मोर टू विन मोरश् ऑफर भी पेश किया है, जो 20 से 31 जनवरी, 2024 तक के लिए चल रहा है। इस दौरान शॉपिंग पर, पाएं 70: तक की छूट और रोमांचक पुरस्कार जीतने का मौका। ग्रैंड इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट में शॉपर्स रिलायंस डिजिटल से अविश्वसनीय छूट और बचत का लाभ उठा सकते हैं, जिसमें घ्26,000 तक की छूट मिलेगी। अगर आप गैजेट्स के शौकीन हैं और शानदार डील्स की तलाश में हैं? तो फिर आपके लिए यह सुनहरा अवसर है। लखनऊ के फीनिक्स यूनाइटेड में आपके लिए बेहतरीन इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स पर शानदार छूट और डील्स का लाभ उठाने का एक शानदार अवसर है।

इस इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट में आईफोन, मैकबुक और स्मार्टवॉच जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर भी बेहतरीन डील्स मिल रही हैं। फेस्ट में एचडीएफसी कार्ड धारकों को इन उत्पादों पर तत्काल छूट का भी लाभ मिलेगा।

इसके अलावा फीनिक्स यूनाइटेड मॉल में 20 से 31 जनवरी तक चलने वाले रिपब्लिक डे के लिए ष्शॉप मोर टू विन मोरष् विशेष ऑफर में जितना अधिक आप खरीदारी करेंगे, उतना ही जीतने का मौका मिलेगा। इस प्रमोशनल ऑफर में शामिल होने वाले प्रमुख ब्रांड्स हैं पैंटालून, मैक्स जूडियो, मार्क्स एंड स्पेंसर ओनली जैक और जोन्स लिवाइस, स्केचर्स, जॉन प्लेयर, टर्टल ली कूपर और कैंपस। फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन ने इन ऑफर्स के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ष्ग्रैंड इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट का आयोजन कर हमारा उद्देश्य अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स को हर किसी के लिए सुलभ बनाना है। यह उत्सव हमारे शॉपर्स की पहुंच के भीतर नवीनतम तकनीक लाने का एक जरिया है। हम सभी को ग्रैंड इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट और ष्शॉप मोर टू विन मोरष् में रोमांचक शॉपिंग एक्सपीरियंस के लिए इन स्पेशल ऑफर्स का अधिकतम लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

महापुरुषों के इतिहास को सही रूप में पुनर्लेखन की जरूरत: डॉ. राजीव गुरुजी

शिक्षकों के साथ की अनौपचारिक मुलाकात

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के इतिहास के प्रोफेसर एवं विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजीव गुरुजी ने सोमवार को शिक्षकों के साथ अनौपचारिक मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि देश तभी मजबूत होगा, जबकि यहां के लोगों के बीच आपसी सद्भाव और सामाजिक समरसता हो। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की एक सांस्कृतिक पहचान बनी है पूरा विश्व प्राण प्रतिष्ठा के लाइव को सकारात्मक रूप में देखा। किसी भी देश में विरोध में कोई टिप्पणी नहीं दी इसका मुख्य कारण देश के नेतृत्व कर्ता का मजबूत होना है। बतौर इतिहास के प्रोफेसर उन्होंने कहा कि देश के महापुरुषों के इतिहास को सही रूप में पुनर्लेखन की जरूरत है।

हमारे महापुरुषों के बारे में कई महत्वपूर्ण चीज छुपाई गई है। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म समभाव हमारा उद्देश्य है हम सभी धर्म के लोगों को साथ लेकर चलने के पक्ष में है। हिंदू का मतलब ही होता है हीन भावनाओं से दूर। उन्होंने देश के सांस्कृतिक विरासतों के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर प्रोफेसर प्रदीप कुमार डॉक्टर जान्हवी श्रीवास्तव, डॉक्टर सुनील कुमार डॉक्टर दिग्विजय सिंह राठौर, समेत विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अधिकांश पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति से वंचित कर रही योगी सरकार : शैलेंद्र यादव ललई

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।पा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर विकासखंड क्षेत्र के जैनपुर गांव में पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत सेक्टर वार बैठक आयोजित हुई।बैठक को संबोधित करते हुए सपा के पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए पिछड़े ,दलितों और अल्पसंख्यकों का एकजुट होना जरूरी है।पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा और आरएसएस से संविधान को खतरा है।श्री ललई ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार क्षेत्र के युवाओं को रोजगार ,नौकरी, शिक्षा ,चिकित्सा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के बजाय युवाओं को धर्म की अफीम खिलाकर पथभ्रष्ट कर रही है।उन्होंने मनुस्मृति पर पिछड़े और दलितों पर अशिक्षा और भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धर्म विशेष को महत्व देकर भाजपा तिरंगे के स्थान पर भगवा ध्वज फहराकर संविधान और लोकतंत्र को समाप्त करना चाहती है। मोदी योगी की सरकार में बेरोजगारी और महंगाई चरम सीमा के पार है।पहले जो गैस का सिलेंडर 400 रुपए में मिलता था वही मोदी राज में 1000 रुपए में मिलता है।उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार गरीबों के साथ अन्याय,अत्याचार और शोषण कर रही है।

यह सरकार गरीबों की कमर तोड़ रही है।देश बुरे दौर से गुजर रहा है।यह संविधान विरोधी सरकार है। उन्होंने जातिगत जनगणना कराना समय की मांग बताया। भाजपा की सरकार आरक्षण को समाप्त करके पिछड़े और दलितों का हक छीना चाहती है। पूर्व ऊर्जा मंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार अधिकांश पिछले छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति से वंचित कर रही है ।उन्होंने कहा कि 2024 में इंडिया गठबंधन और सपा की सरकार बनेगी। उन्होंने सरकार पर सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि जिस वीरांगना महिला फूलन देवी को नेताजी मुलायम सिंह यादव ने लोकसभा भेजने का काम किया था उन्हीं की मूर्ति भाजपा सरकार में थाने में कैद है जो संपूर्ण निषाद समाज का घोर अपमान है।उन्होंने राम मंदिर पर गुंबद न बनने और मंदिर के पूर्ण निर्माण से पहले ही प्राण प्रतिष्ठा को सनातन धर्म के विरुद्ध बताया। 2024 लोकसभा चुनाव नजदीक आने पर ही राम मंदिर का मुद्दा उठाना और प्राण प्रतिष्ठा भाजपा का चुनावी हथकंडा बताया। सपा नेता राजकुमार बिंद ने कहा कि उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार युवाओं को रोजी–रोटी देने के बजाय उन्हें राशन देकर अकर्मण्य बना रही है।नेता हिसामुद्दीन ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर संविधान की प्रतियां जलाना केवल भाजपा के राज में हुआ जिसकी आज तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई । इस अवसर पर बजरंगी,अमित वर्मा, भूपेंद्र यादव जोनल प्रभारी सुईथाकला ,श्रवण,राकेश वर्मा, विंदे वर्मा,कलीम ,कोमल यादव ,अतुल यादव, बंसराज वर्मा ,रामविलास बिंद, शोभनाथ यादव,चौन सुख गुप्ता,रामसूरत वर्मा,राम आशीष वर्मा ,एजाज अहमद आदि उपस्थित रहे।

रज्जू भैया का जीवन राष्ट्र को समर्पित : प्रो वंदना सिंह

रज्जू भैया समर्पण की प्रतिमूर्ति : अजीत

संघ के विभाग प्रचारक अजीत जी ने रज्जू भैया के साथ अपनी यादों को साझा किया

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान में रज्जू भैया की जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने रज्जू भैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। प्रो. वंदना सिंह ने रज्जू भैया जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रज्जू भैया प्रयागराज विश्वविद्यालय में भौतिक शास्त्र के प्रोफेसर थे। इसी के साथ बचे हुए समय को उन्होंने समाज के साथ समर्पित कर दिया था। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया आदि लोग उपस्थित थे।

इसके बाद रज्जू भैया संस्थान में प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) की जन्मजयंती पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जौनपुर विभाग के विभाग प्रचारक अजीत ने कहा कि प्रो राजेंद्र सिंह सरलता, सहजता व आत्मीयता के प्रतिमूर्ति थे। इसी कारण लोग प्रो राजेंद्र सिंह को प्यार से रज्जू भैया कहते थे। उन्होंने रज्जू भैया के जीवन के ऊपर विस्तार से प्रकाश डाला। अजीत जी ने रज्जू भैया के साथ अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने रज्जू भैया के राजनीतिक प्रभाव के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि नानाजी देशमुख रज्जू भैया से प्रभावित होकर चित्रकूट में ग्रामोदय का कार्य प्रारंभ किया। सन 1966 में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) ने प्रयाग विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया। तत्पश्चात् वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जीवनव्रती प्रचारक के रूप में उस पथ के पथिक बनकर संघ कार्य में अहर्निश सक्रिय हो गए। रज्जू भैया बाद में 1994 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चौथे सरसंघचालक बने। उन्होंने एक शिक्षक, स्वयंसेवक, प्रचारक से लेकर सरसंघचालक तक की महती जिम्मेदारियों को बड़ी सहजता और सरलता के साथ निभाया। व्याख्यान में प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने भी रज्जू भैय्या के जीवन पर प्रकाश डाला। अतिथियों का स्वागत रज्जू भैया संस्थान के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने किया। व्याख्यान का विषय प्रवर्तन डॉ नितेश जायसवाल ने किया किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डॉ राज कुमार, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ मनीष प्रताप सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. जाहन्वी श्रीवास्तव, डॉ श्रवण कुमार, डॉ आलोक वर्मा, डॉ मनोज पांडे, डॉ नवीन चौरसिया, डॉ दिनेश सिंह, डॉ इंद्रजीत और अन्य शिक्षक तथा सभी शोध छात्र उपस्थित रहे।

दादा साहब फालके पुरस्कार से सम्मानित किए गए सांसद श्याम सिंह यादव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सांसद श्याम सिंह यादव ने अपने कैम्प कार्यालय पर पत्रकारो से बात करते हुए कहॉ कि दादा साहब फालके एन0जी0ओ0 के द्वारा एक सर्वे किया गया उस सर्वे में उ0प्र0 से दो सांसदों का चयन किया जिसमें जौनपुर लोकसभा सांसद श्याम सिंह यादव को मेडल, मेमनटों व प्रशसति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रेस वार्ता के दौरान बिहार के राजनितिक घटनाक्रम के सम्बन्ध ा में बताया की इस घटना को सहज भाव से हम लेते हैं और मुख्यमंत्री नितिश कुमार इण्डिया गठबंधन में आये थे और आंतरिक सूचना लेकर पाला बदल लियें। मेरा कहना है कि इण्डिया गठबंधन में दुल्हा नही बने तो सहबाला बनकर ही काम करतें।

सांसद जी ने जौनपुर के विकास एवं उनके द्वारा विभिन्न परियोजनाओं पर कराये कार्यो पर विवरण भी प्रस्तुत किया।

राम मन्दिर के सवाल पर उन्होंने बताया की 22 जनवरी, 2024 के उद्घाटन पर कहॉ की सनातन धर्म के अनुसार गलत है क्योकि इसमें देश चारों संक्राचार की सहमति नही थी, राजनितिक लाभ के लिए चुनाव के दृष्टिगत जल्दबाजी में देश के प्रधानमंत्री द्वारा किया गया देश के राष्ट्रपति को इसमें नही बुलाया गया जो कि पूर्णत गलत रहा आगे कहॉ की प्रधानमंत्री मोदी ने राम मन्दिर के फैसले को अपने स्तर से लागू करवाया।

आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के सम्बन्ध के सवाल पर उन्होंने कहॉ की चुनाव मैं कतई नही लड़ना चाहता परंन्तु यदि पार्टी मुझे चुनाव लड़ाना चाहती है तो मैं इसपर विचार करूंगा।

प्रवसि नगर कीजै सब काजा, ह्रदय राखि कोसलपुर राजा

श्रीराम कथा के नवें दिन भक्तो ने रावण उद्धार और श्रीराम राज्याभिषेक की कथा का रसपान किया

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। तुम्ही में ये जीवन जिए जा रहा हूँ, जो कुछ दे रहे हो लिए जा रहा हूँ, ...भजन से शुरू हुई नवे दिन की श्रीराम कथा।

अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास सुखनंदन शरण जी महाराज ने श्री राम कथा के नवे दिन बताया कि श्रीराम कथा अंतरात्मा तक पहुँचती है। श्री महाराज ने बताया कि मेरा सौभाग्य कि मुझे श्रीरामजानकी हनुमत धाम प्रांगण में श्रीराम कथा का सुअवसर मिला। श्रीमहाराज ने बताया कि श्री राम कथा को नहीं गाया जा सकता. नाना भांति राम अवतारा चौपाई के माध्यम से बताया कि श्रीरामचरितमानस और श्रीराम कथा का बखान नहीं किया जा सकता।

श्री महाराज जी ने राम तुम बड़े दयालु हो, नाथ तुम बड़े कृपालु हो. ...भजन के माध्यम से प्रभु की दयालुता से परिचित कराया।

श्री महाराज ने बताया घर में तुलसी जी का वास कीजिये उनके पास प्रतिदिन दीपक जलाइये. घर के मुख्य द्वार पर प्रतिदिन देसी घी का दीपक जलाइये जिससे लक्ष्मी जी का वास होता है।

श्रीराम कथा के नवें दिन रावण उद्धार एवं प्रभु श्रीराम राज्याभिषेक की कथा का सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रवण किया।

श्रीराम कथा की शुरुआत कथा के मुख्य यजमान अखिलेश सिंह ने सप्तनीक, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री उत्तरप्रदेश शासन श्रीमती रजनी तिवारी, सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू, सांडी विधायक प्रभाष कुमार, पुलिस अधीक्षक हरदोई केशव चंद्र गोस्वामी ने संयुक्त रूप से पूजन अर्चन के साथ किया।

इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अलका गुप्ता, समाजसेवी राजवर्धन सिंह राजू, धर्मवीर गुप्ता, गौरव सिंह, दीपांशु सिंह, अनुज सिंह, अखिल सिंह चंदेल, अविनाश पांडे, प्रदीप सिंह, भाजपा नेता मुकुल सिंह आशा, मुकेश सिंह, भूमिका सिंह, कर्ण सिंह राणा, मंजू गुप्ता आदि सैकड़ो रामभक्त मौजूद रहे।

रमेश झनकार राष्ट्रीय मानव पार्टी के राष्ट्रीय संगठन सचिव मनोनीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अध्यक्ष एम योगेश शेट्टी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुर्सलीन कुरैशी ने केंद्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय सचिव मोहन शर्मा , राष्ट्रीय सचिव बी.एस.चौहान, दिल्ली प्रदेश प्रभारी मुकेश मिश्रा , युवा महिला अध्यक्ष गिन्नी और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में रमेश झनकार को राष्ट्रीय संगठन सचिव पद से सुशोभित किया। रमेश झनकार को राष्ट्रीय मानव पार्टी परिवार की तरफ से बहुत बहुत बधाई।

अमौसी एयरपोर्ट के पास पलटा एथनॉल भरा टैंकर

संवाददता

लखनऊ। लखनऊ–कानपुर हाईवे पर अमौसी एयरपोर्ट के पास कोहरे के बीच रविवार तड़के एथनॉल भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर पलटने से एथनॉल सड़क पर फैल गया। हादसा देख हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने हाइड्रा की मदद से टैंकर को हाइवे से किनारे कराया। छह दमकल की मदद से पांच घंटे तक हाइवे पर पानी डालकर राहत कार्य चलाया। गनीमत रही की एथनॉल में आग नहीं पकड़ी। आग लग जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं टैंकर चालक को मामूली चोट आई है। एथनॉल भरा टैंकर गोरखपुर से कानपुर जा रहा था। टैंकर रविवार तड़के चार बजे कानपुर रोड पर अमौसी एयरपोर्ट के पास पहुंचा ही था तभी अनियंत्रित होकर पाला गया। हादसे की सूचना पर सीएफओ मंगेश कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंच गए।

व्यापारियो को मिले राजनैतिक हिस्सेदारी एवम सुरक्षा : अनुप शुक्ला

संवाददता

लखनऊ। व्यापारी महाकुंभ का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष मा अनूप शुक्ला ने दीप प्रज्वलन कर सहकारिता भवन लखनऊ में किया गया।व्यापारी महाकुंभ में व्यापारी नेता अनूप शुक्ला राष्ट्रीय अध्यक्ष को बड़ी माला स्वर्ण अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह प्रदान कर बड़ी गर्म जोशी से स्वगत हुआ व्यापारी महाकुंभ में राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. अनूप शुक्ला ने कहा व्यापारी परेशान हैं जी एस टी अधिकारियों द्वारा नोटिस के नाम पर हो रहा उत्पीड़न, व्यापारियों की व्यापारियों की हत्या लूट की घटनाएं हुई पर प्रशासन समय पर कार्यवाही नही करता, ऑनलाइन शॉपिंग से छोटे व्यापारियों का व्यापार खत्म हो रहा हैं, व्यापारी बिना राशि प्रयाप्त नही,व्यापारी 30: हैं मगर राजनै तिक हिस्सेदारी शून्य जैसी है इन्ही विषयो पर सरकार का ध्यान दिलाने एवम सरकार को अपना वादा याद दिलाने के लिए व्यपारी महाकुंभ में प्रदेश के कोने कोने से व्यापारी प्रतिनिधि इकट्ठा हुए हैं और अपनी मांगों को पूर्ण कराने हेतु आवाज बुलन्द किया व्यापारियों की मांगों का मांग पत्र पूरे प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों के माध्यम से प्रधानमंत्री एवम मा मुख्यमंत्री को भेजेगा।

धूमधाम से मनाया गया हजरत सैयद शाह रहमतुल्लाह अलैह का 13 उर्स मुबारक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। के मोहल्ला कटघरा में पेट्रोल पंप के पीछे हजरत सैयद शाह रहमतुल्लाह का तेरहवा उर्स मुबारक बहुत ही धूमधाम से संपन्न हुआ, उर्स मुबारक इस्लामिया स्टूडेंट कमेटी के बैनर तले हुआ सदर वकील अहमद खान ने बताया कि सुबह बाद नमाज फजर कुरान ख्वानी की गई बाद नमाज असर शाम को गुसल और चादर पोसी हुई एवम रात में बाद नमाज ईशा एक जलसे का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य रूप से मौलाना राशीद कारी एहसान व कारी जिया ने तकरीर किया,लोगों को इंसान बनकर इंसानियत के रास्ते पर चलने का सुझाव दिया इस मौके पर देश में अमन व शांति की दुआ भी मांगी गई। मौके पर मोहम्मद शाहबान और मो सलीम,नजरे आलम,ताज मोहम्मद,अशियम आदि मौजूद रहे।

एलडीए ने एफआई की चौथी मंजिल को तोड़ना शुरू किया

संवाददता

लखनऊ। लखनऊ में मुख्तार के करीबी एफआई बिल्डर पर एलडीए का हथौड़ा चलने लगा है। रविवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने सिराज अहमद के एफआई हॉस्पिटल को तोड़ना शुरू कर दिया है। बीच में सुप्रीम कोर्ट से लगी रोक के बाद एलडीए ने अभियान रोक दिया था। कोर्ट ने कहा था कि कमिश्नर के यहां सुनवाई के बाद ही अब यहां कोई कार्रवाई होगी। अब शनिवार को कमिश्नर कोर्ट ने मामले को खारिज कर दिया। उसके बाद फिर से अस्पताल तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। चौथे फ्लोर पर मशीन और हथौड़ा दोनों से अस्पताल तोड़ा जा रहा है। इसके पहले हॉस्पिटल के बगल में बने 8 मंजिला एफआई टावर की पार्किंग तोड़ दी है। साथ ही 7वें और 8वें फ्लोर को अवैध घोषित कर दिया गया था। एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया, हॉस्पिटल की बिल्डिंग भी तोड़ी जा रही है। 5 दिसंबर को हॉस्पिटल को नोटिस दिया गया था। उन्होंने कहा, एफआई टावर के लिए बिल्डर ने 6 मंजिला बिल्डिंग का नक्शा पास कराया था और 8 मंजिला बिल्डिंग बना दी थी। इसके अलावा पार्किंग में भी दुकानें बनाकर कॉमर्शियल करके बेचा गया था। सारी पार्किंग तोड़ी गई। अस्पताल तो बिल्डर ने पार्क की जमीन पर बना लिया था। ऐसे में पूरे अस्पताल को तोड़ा जा रहा है। पहले चौथे मंजिल से कार्रवाई शुरू हुई है। उसके बाद बाकी के भवन तोड़े जाएंगे। दरअसल, इससे पहले एलडीए ने 29 नवम्बर को मानचित्र के विपरीत निर्माण करने के आरोप में एफआई बिल्डर के निदेशक व करीबी बिल्डर शोएब इकबाल, मोनिस इकबाल, सिराज अहमद और माइकल के खिलाफ कैसरबाग कोतवाली में धोखाधड़ी और जाली दस्तावेज तैयार करने का मुकदमा दर्ज करवाया हैं। ड्रील मशील चलाने के लिए एलीड की तरफ से बिल्डिंग के बाहर जनरेटर लगाया गया है। इससे कि कार्रवाई जल्द को सके। एलडीए अधिकारियों ने बताया कि तोड़ने में जो खर्च आएगा उसकी वसूली भी बिल्डर से की जाएगी। एफआई बिल्डर माफिया मुख्तार का सबसे करीबी माना जाता है। बताया जा रहा है कि अस्पताल की प्रापर्टी करीब 15 करोड़ रुपए से ज्यादा की है।

विज्ञान और टेक्नालाजी के इस युग में हमें विज्ञान के सार्थक परिणामों को लेकर आगे बढ़ना चाहिए : बाल मुकुन्द प्रसाद

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। रफी अहमद किदवाई इण्टर कालेज में आज भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक बाल मुकुन्द प्रसाद ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुये बच्चों द्वारा बनाये गये 63 मॉडलों की सराहना की और अपने उद्बोधन में बच्चों के वैज्ञानिक सोच और प्रतिभा की सराहना करते हुये कहा कि विज्ञान और टेक्नालाजी के इस युग में हमें विज्ञान के सार्थक परिणामों को लेकर आगे बढ़ना चाहिए और प्रकृति से अधिक छेड़छाड़ के प्रति सचेत रहते हुए उसके दुष्परिणामों से बचना चाहिए। विकास की प्रकिया में प्रकृति के हो रहे दोहन को दूर करने में विज्ञान अपनी बड़ी भूमिका निभा सकता है। प्रदूषण और ग्लोबल वींग जैसी समस्याओं से जीवन त्रस्त स्कूल के छात्रों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर समस्याओं के समाधान में प्रशंसनीय मॉडल प्रदर्शित किये है।

विज्ञान प्रदर्शनी में अमन गुप्ता के ष्वेस्ट वाटर ट्रीटमेंटष् को प्रथम अंश मिश्रा के ष्रेडियोऐक्टिविटीष् को द्वितीय तथा सईद जैद हसन को ष्एन्टी क्लाक अलार्मष् मे तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया है। निर्णायक मण्डल में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा शिक्षक सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पाजलिं से हुआ। बच्चों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वागत उद्बोधन में पूर्व प्रबन्धक और भवन निर्माण समिति के मुख्य संयोजक अरूणेश वाजपेयी ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुये जानकारी दी कि फरवरी माह के विद्यालय भवन के अगले चरण का आरम्भ हो रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुये प्रबंधा समिति के उपाध्यक्ष डॉ० नरेश चन्द्र शुक्ला ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। आभार प्रधानाचार्य डॉ० अमित कुमार वर्मा ने किया तथा कार्यकम का संचालन परशुराम सिंह ने किया।

केंद्रीय मंत्री श्री कौशल किशोर पहुंचे यूपीटेक्स, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पीएचडीसीसीआई के प्रयासों को सराहा

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चल रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (यूपीटेक्स) के तीसरे दिन एक्सपो का अवलोकन करने पहुंचे। उन्होंने एक्सपो के आयोजकों, पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की उनके प्रयासों के लिए सराहना की। मंत्री किशोर ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और स्थानीय कारीगरों के कौशल को उजागर करने में यूपीटेक्स की भूमिका की सराहना की।

पीएचडीसीसीआई के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. रंजीत मेहता ने वैश्विक स्तर पर 300 से अधिक प्रदर्शकों को एक साथ लाने, यूपीटेक्स की भूमिका पर गौरवान्वित महसूस करते हुए कहा , ष्यूपीटेक्स ने न केवल विविध प्रतिभाओं को अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर दिया है, बल्कि व्यवसायों को अपना विस्तार और सहयोग करने के लिए एक मंच भी तैयार किया है।ष

श्री नवीन सेठ, डिप्टी सेक्रेटरी जनरल, पीएचडीसीसीआई और श्री अतुल श्रीवास्तव, रीजनल डायरेक्टर, यूपी चौप्टर, पीएचडीसीसीआई ने यूपीटेक्स को आर्थिक विकास के उत्प्रेरक के रूप में रेखांकित किया और बताया कि यूपीटेक्स आर्थिक विकास के लिए स्थानीय व्यवसायों और उद्यमियों को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन दे रहा है।

एक्सपो के दौरान प्रदर्शित गाजीपुर के पहाड़पुर कलां गाँव के मोहम्मद उस्मान की जूट वॉल हैंगिंग ने अपने जटिल डिजाइन और इको फ्रेंडली मैटेरियल के लिए काफी प्रशंसा बटोरी। विजीटर्स ने उनके शिल्प कौशल की काफी सराहना की। वे उनके द्वारा प्रदर्शित की गई बारीक कारीगरी को देखकर आश्चर्यचकित रह गए। उस्मान द्वारा प्रदर्शित उनके वॉल हैंगिंग ने स्थानीय शिल्प कौशल को प्रोत्साहन देने के एक्सपो के उद्देश्य को सार्थकता प्रदान की। कजरिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आर एस पी एल, और गोल्डी मसाले के स्टॉल्स पर दर्शकों की रही भारी भीड़।

कालेजों में स्मार्टफोन वितरण कार्य शीघ्र पूर्ण करायें- जिलाधिकारी

’स्मार्टफोन समय से वितरित न होने पर जवाबदेही निर्धारित की जायेगी-मंगला प्रसाद सिंह’

’ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

’हरदोई’ कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को डीजी शक्ति पोर्टल पर पंजीकृत छात्र–छात्राओं के सापेक्ष जनपद में उपलब्ध स्मार्टफोन के वितरण के संबंध में बैठक आहूत हुई।

जनपद में उपलब्ध स्मार्टफोन का वितरण की धीमीगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित नोडल अधिकारी आदि को निर्देश दिये, कहा कि संबंधित कालेजों में स्मार्टफोन वितरण कार्य शीर्घ पूर्ण कराएं और स्मार्टफोन का वितरण जल्द न किये जाने पर संबंधित की जवाबदेही निर्धारित की जायेगी तथा स्टॉक में स्मार्ट फोन विद्यालयों को जल्द प्राप्त कराये और विद्यार्थियों की पात्रता के अनुसार डाटा ससमय अपलोड करायें।उन्होंने कहा कि फीडिंग व वितरण का कार्य तथा टाइम टेबल का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अटल स्वास्थ्य सेवा से प्रेरित होकर श्मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल के सहयोग से डॉ. श्रृष्टि पनवार के द्वारा लगाया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य मेला

B-M-D जाँच हड्डियों की जाँच, नि:शुल्क मानसिक एवं हृदय रोग, डेन्टल चेकअप और पैथालोजिकल टेस्ट दिल की बीमारी आदि के विशेषज्ञ उपस्थिति रहे।

मृत्युंजय प्रताप सिंह

देहरादून की मशहूर डॉ. सृष्टि पनवार की क्लीनिक ‟वसनजपवदे ‟वनहीज भ्मंसपदह (ळम्न्ड ।छ भ्व्डम्व्च ।ज्भ्ड डम्क्ष्ब् ।स् भ्म् ।स्ज्भ् ब्स्प्छप्ब्) के द्वारा मोहित नगर में शनिःशुल्क अटल स्वास्थ मेला दिनांक 28 जनवरी 2024 समय प्रातः 8 बजे सायं 4 बजे तक किया का आयोजन किया गया जिसमे मोहित नगर की पार्षद अमिता सिंह के कर कमलों द्वारा कैम्प का शुभारम्भ किया गया और क्लीनिक में उपस्थिति सभी डॉक्टरों ने क्त. ‟उनमस भ्ंददमउंदद को पुष्प अर्पण किया गय जिसके बाद मैक्स सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल के द्वारा हृदय जाँच डॉ. सिराज, ठडक हड्डियों की जाँच NOVERAX HEALTHCARE ¼OPC½ PRIVATE LIMITED एवं डेन्टल चेकअप डॉ. आदित्य वर्मा एवं होम्योपैथिक की परामर्श एवं दवा वितरण डॉ. सृष्टि पनवार के द्वारा की गई। श्अटल स्वास्थ्य मेलाश कैम्प में लगभग 500 से 600 लोगों ने अपाना स्वास्थ्य परीक्षण कराया एवं दवा ली। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. एकता अरोडा एवं होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अंजली डॉ. सजल, डॉ. दिव्या

डॉ. मुस्कान मौजूद रही और कैम्प में विशेष सहयोग रहा। डॉ. सृष्टि पनवार लगभग 6 महीने से कई श्स्वास्थ्य कैम्पश जनता के लिए लगा चुकी है। यह मेगा कैम्प मोहित नगर की जनता एवं पत्रकार बंधु (एलेक्ट्रानिक मीडियाध् प्रिंट मीडिया), विद्युत विभाग के कर्मचारी एवं गरीब और जरूरत मन्द लोगों ने अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जाँच करवायी व दवा प्राप्त की। डॉ. सृष्टि पनवार की कोशिश रहेगी जैसे आज निःशुल्क कैम्प का आयोजन किया वैसे ही भविष्य में जरूरतमन्द लोगों के लिए कैम्प का आयोजिन करती रहेगी जिसमें सभी का योगदान काफी सराहनीय रहा। सभी का विशेषरूप से सादर धन्यवाद !

30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाया जोयगा–जिलाधिकारी

30 जनवरी को सभी सदस्यों एवं ग्रामवासियों के सन्मुख जिलाधिकारी का संदेश एवं ग्राम सभा प्रमुख का भाषण पढ़ा जायेगा- मंगला प्रसाद सिंह

’ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

’हरदोई’ जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अवगत कराया है कि महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कुष्ठ कार्यक्रम के तहत जनपद में 30 जनवरी से 13 फरवरी 2024 तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान सभी ग्राम सभाओं, पंचायतों, नगरीय वार्डो (विशेष रूप से मलिन बस्ती) में चलाया जायेगा, जिसमें चिकित्सा विभाग के सहयोगी विभाग पंचायती राज, ग्रामीण व शहरी विकास, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय सशक्तीकरण आदि के समन्वय स्थापित कर सभी ग्राम सभाओं में भारत सरकार द्वारा निर्धारित सन्देश दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम सभी ग्राम प्रधानों, ग्राम विकास अधिकारियों एवं संबंधित नगरीय क्षेत्रों के सभासदों द्वारा जिलाधिकारी का संदेश एवं ग्राम सभा प्रमुख का भाषण जो ग्राम प्रधान एवं नगरीय वार्डो के सभी सभासदों द्वारा 30 जनवरी 2024 को पूर्वान्ह 11 बजे ग्राम सभा सदस्यों एवं ग्रामवासियों के सन्मुख पढ़ा जायेगा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये है कि उक्त अभियान के सफल संचालन के लिए समय से कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

ओलिव द पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया’

संवाददता

लखनऊ।’ओलिव द पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह यू पी संगीत नाटक अकादमी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधीश श्री शमीम अहमद जी (लखनऊ उच्च न्यायालय) और विशिष्ट अतिथि श्रीमती आबिदा इनामदार जी (उपाध्यक्ष पी ए इनामदार एजुकेशन ट्रस्ट, पुणे) थीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्कूल के छात्रों की चपलता अनुशासन और कौशल को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम रहे। वरिष्ठ छात्रों द्वारा प्रस्तुत कराटे की मार्शल आर्ट में अपने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया, इसके बाद ओलिवियन फुटबॉल स्टार्स द्वारा फुटबॉल की कौशलों का शानदार प्रदर्शन

किया गया, जिसमें उन्होंने अपनी टीम वर्क का बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया। छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार की रणनीति और कौशल का प्रदर्शन किया गया। मंच पर छात्र–छात्राओं के प्रदर्शन ने अतिथियों और अभिभावकों को देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति के उत्साह का एहसास कराया जिससे राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना पैदा हुई। बच्चों के अंग्रेजी और हिन्दी नाटक ने हमारे समाज में प्रचलित विभिन्न महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को छुआ, जिसके दौरान अतिथियों ने एक दिलचस्प शो का आनंद लिया। कार्यक्रम में स्कूल के असाधारण छात्रों की कड़ी मेहनत और उपलब्धि को मान्यता देना और उनकी सराहना करना भी शामिल था। वार्षिक समारोह का औपचारिक समापन एकता और देशभक्ति के प्रतीक भारतीय राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ हुआ। समारोह के सबसे यादगार क्षणों को मुख्य अतिथि जी और विशिष्ट अतिथि जी द्वारा अपने मूल्यवान संबोधन में छात्र दृ छात्रों को सलाह और सराहना के अनमोल शब्दों द्वारा चिन्हित किया गया।

अंततः यह आयोजन छात्र छात्रों को खुद को स्थापित करने और सफलता की यात्रा की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए संदेशों के साथ समाप्त हुआ।

ओलिव द पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती आर. फ्रैंकलिन जी, स्कूल के निदेशक डॉक्टर श्री वलीउल्लाह सिद्दीकी जी (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, अपोलो हॉस्पिटल) ने इस वर्ष के वार्षिक दिवस समारोह को विशेष यादगार बनाने के लिए उपस्थित सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रवादी जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अकरम अन्सारी लखनऊ शहर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगे

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ ।राष्ट्रवादी जन समाज पार्टी की एक प्रेस वार्ता पालकी पैलेस, गंगा प्रसाद रोड, मौलवीगंज लखनऊ में हुई ।लोकसभा चुनाव 2024 की पांच सदस्यों की चुनाव कमेटी ने लखनऊ शहर लोकसभा सीट के लिये प्रत्याशी घोषित किया । चुनाव कमेटी के सदस्य अहमद ताहिर ने बताया की लखनऊ लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अकरम अन्सारी लखनऊ शहर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगे तथा जल्द ही प्रदेश की अन्य सीट पर प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी।

प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुऐ मोहम्मद अकरम अन्सारी ने कहा की देश में नफरत और सत्ता लोलुपता की राजनीती के चलते जनता को उसके एकसामान अधिकारों से वंचित होना पड़ा है विचारधारा को दरकिनार कर राजनीतिक पार्टियां वोटों की लालच में धर्म जातियों व सम्प्रदायों के बीच शत्रुता का माहौल पैदा कर रहीं हैं। धर्मनिरपेक्ष प्रजातान्त्रिक संविधान की शपथ लेकर सत्तासीन होने वाले दल धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन कर रहे है। तानाशाही नीतियां लागू कर प्रजातान्त्र पर गंभीर प्रहार किये जा रहे हैं राजनीतिक पार्टियों की ब्रांडिंग ने सांसदों विधायकों के अधिकारों को सीमित किया है विधयाक व सांसद जनता के प्रतिनिधि होते हैं अपने दल के प्रतिनिधि तक सीमित हो गए है चुनाव जीतने के बाद इन प्रतिनिधियों को अपने राजनीतिक दल के आलाकमान की परिक्रमा से फुरसत नहीं मिलती। हम लखनऊ व देश की जनता से अनुरोध करते हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में जनता के सुख दुख में साथ खड़े रहने वाले महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध आपकी लड़ाई लड़ने वाले जनता की परिक्रमा करने की संविधान सम्मत शपथ ले वाले राष्ट्रवादी जन समाज पार्टी के प्रत्याशियों को अपना वोट और स्पोर्ट देकर विजयी बन्न देश को जन्नत निशान बनाएं।

अब सरयू में चलेगी वाटर मेट्रो, जलविहार का लुत्फ ले सकेंगे श्रद्धालु और पर्यटक

संवाददता

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या को एक और सौगात मिलने वाली है। अयोध्या आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक अब सरयू नदी में वाटर मेट्रो के जरिए जल विहार का आनंद ले सकेंगे। जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वाटर मेट्रो का संचालन अयोध्या के संत तुलसीदास घाट से गुप्तारघाट तक किया जाना है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने इन दोनों घाटों पर सरयू किनारे जेटी की स्थापना की है, जहां पर वाटर मेट्रो की चार्जिंग के लिए पॉइंट बनाए गए हैं और यहीं से यात्री भी वाटर मेट्रो पर सवार हो सकेंगे। सरयू के किनारे संत तुलसी घाट से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस वाटर मेट्रो 14 किलोमीटर का सफर गुप्तारघाट तक तय करेगी।50 सीटर एमवी मोटर व्हिकल बोट यानी वाटर मेट्रो का नाम कैटा मेरन वैसेल बोट है। इस वाटर मेट्रो बोट को पूरा एयरकंडीशन बनाया गया है, जिसमें यात्रियों की जानकारी के लिए डिस्प्ले भी लगाया गया है। यात्रियों की केबिन के आगे बोट पायलट का केबिन अलग बनाया गया है। एक बार में इलेक्ट्रिक से चार्ज होकर यह वाटर मेट्रो बोट एक घंटे की यात्रा करने मे सक्षम है। एक साथ 50 यात्री जलविहार का आनंद उठा सकेंगे। पर्यावरण का ध्यान रखते हुए इस वाटर मेट्रो का संचालन किया जाएगा। अयोध्या में चलाई जाने वाली वॉटर मेट्रो में 50 सीटें हैं, जिसे दोनों किनारों पर स्थापित किया किया गया है।

मस्कट और दम्माम के लिए फ्लाइट सेवा,एयर इंडिया दोनों जगहों के लिए लखनऊ से सीधी उड़ान सेवा शुरू करेगा

संवाददता

लखनऊ। लखनऊ से मस्कट और दम्माम जाने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब यहां के लिए लखनऊ से उड़ान सेवा शुरू होगी। एयर इंडिया दोनों जगहों के लिए लखनऊ से सीधी उड़ान सेवा शुरू करने जा रहा है। इसमें मस्कट की फ्लाइट जहां प्रतिदिन उड़ेगी वहीं दम्माम के लिए जाने वाली फ्लाइट को सप्ताह में चार दिन ही चलाया जाएगा। हालांकि इससे यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। अभी तक फ्लाइट की कमी के कारण दोनों ही जगह पर जाने वाले यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट के माध्यम से जाना पड़ता था। ऐसे में उनका काफी समय और पैसा दोनों बर्बाद होता था। हालांकि अब ऐसा नहीं होगा। समय और पैसा दोनों ही बचेगा। 15 मार्च से यह सेवा शुरू होगी। एयर इंडिया ने दोनों ही जगह के लिए सीधे शेड्यूल जारी किया है। इसकी बुकिंग भी शुरू हो गई है। अमौसी एयरपोर्ट से सीधी उड़ान के रूप में फ्लाइनेस एयरलाइन्स की दम्माम के लिए एक ही फ्लाइट है। यह भी सप्ताह में चार दिन है।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।